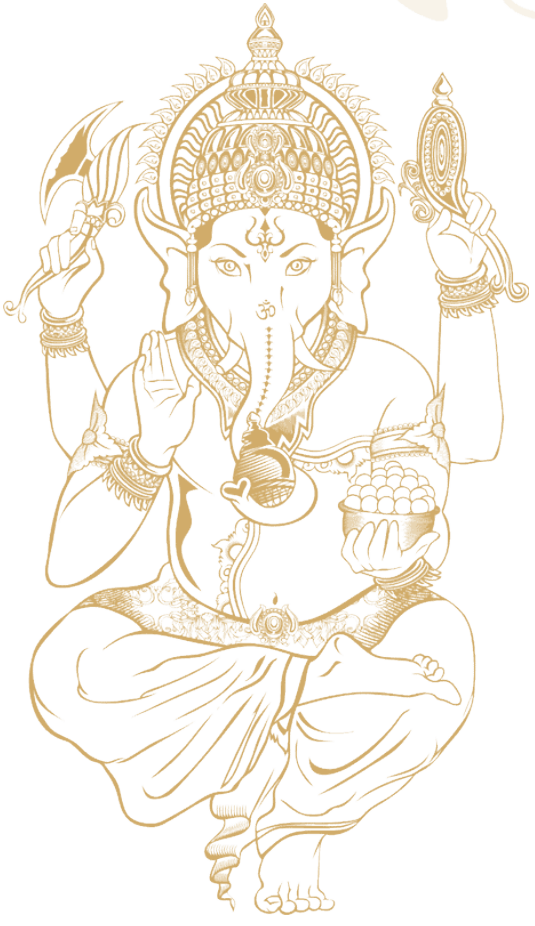

Ankush

Nidhi

Model: Web-FreeMatching

Order No: 121167103

पुल्लिंग	लिंग	स्त्रीलिंग
04/03/1998	जन्म तिथि	20/04/2001
बुधवार	दिन	शुक्रवार
घंटे 08:30:00	जन्म समय	08:59:00 घंटे
घटी 04:08:48	जन्म समय(घटी)	07:43:07 घटी
India	देश	India
Ludhiana	स्थान	Moga
30:56:00 उत्तर	अक्षांश	30:49:00 उत्तर
75:52:00 पूर्व	रेखांश	75:13:00 पूर्व
82:30:00 पूर्व	मध्य रेखांश	82:30:00 पूर्व
घंटे -00:26:32	स्थानिक संस्कार	-00:29:08 घंटे
घंटे 00:00:00	ग्रीष्म संस्कार	00:00:00 घंटे
06:50:28	सूर्योदय	05:56:29
18:26:38	सूर्यास्त	19:00:10
23:49:48	चित्रपक्षीय अयनांश	23:52:13

विंशोत्तरी	अंश	राशि	ग्रह	राशि	अंश	विंशोत्तरी
सूर्य 2वर्ष 10मा 0दि	24:27:23	मीन	लग्न	वृष	27:25:58	गुरु 9वर्ष 5मा 13दि
राहु	19:30:06	कुंभ	सूर्य	मेष	06:14:50	शनि
03/01/2018	03:41:52	वृष	चंद्र	कुंभ	25:27:20	03/10/2010
03/01/2036	05:44:25	मीन	मंगल	धनु	02:34:51	03/10/2029
राहु 15/09/2020	28:10:32	कुंभ	बुध	मेष	02:35:26	शनि 06/10/2013
गुरु 09/02/2023	12:48:36	कुंभ	गुरु	वृष	17:22:03	बुध 15/06/2016
शनि 16/12/2025	05:45:43	मक	शुक्र व	मीन	07:35:10	केतु 25/07/2017
बुध 04/07/2028	24:36:25	मीन	शनि	वृष	06:02:18	शुक्र 23/09/2020
केतु 23/07/2029	16:42:05	सिंह व	राहु व	मिथु	15:14:16	सूर्य 05/09/2021
शुक्र 22/07/2032	16:42:05	कुंभ व	केतु व	धनु	15:14:16	चन्द्र 06/04/2023
सूर्य 16/06/2033	16:47:56	मक	हर्ष	कुंभ	00:20:20	मंगल 15/05/2024
चन्द्र 16/12/2034	07:20:51	मक	नेप	मक	14:47:17	राहु 22/03/2027
मंगल 03/01/2036	14:13:07	वृश्चि	प्लूटो व	वृश्चि	21:07:03	गुरु 03/10/2029

लग्न-चलित

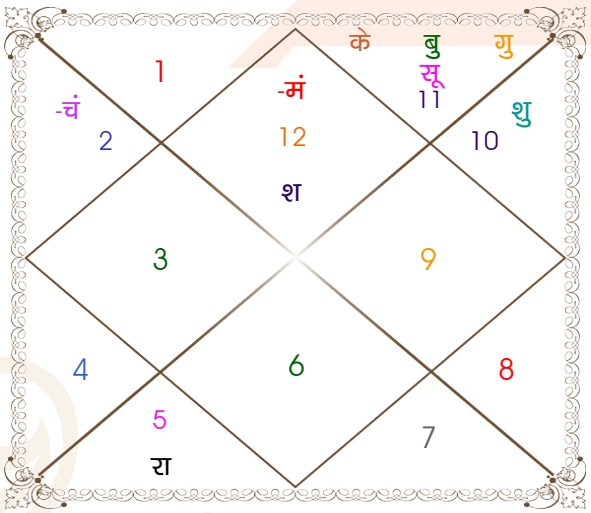

लग्न-चलित

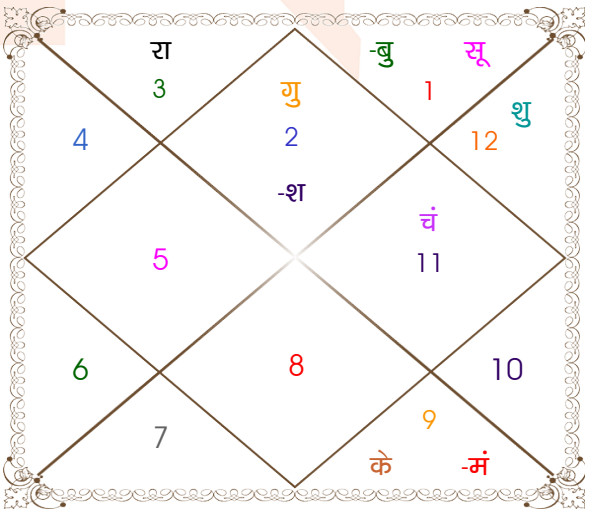

अष्टकूट गुण सारिणी

कूट	वर	कन्या	अंक	प्राप्त	दोष	क्षेत्र
वर्ण	वैश्य	शूद्र	1	1.00	--	जातीय कर्म
वश्य	चतुष्पाद	मानव	2	1.00	--	स्वभाव
तारा	साधक	प्रत्यारि	3	1.50	--	भाग्य
योनि	मेष	सिंह	4	1.00	--	यौन विचार
मैत्री	शुक्र	शनि	5	5.00	--	आपसी सम्बन्ध
गण	राक्षस	मनुष्य	6	0.00	हाँ	सामाजिकता
भकूट	वृष	कुम्भ	7	7.00	--	जीवन शैली
नाड़ी	अन्त्य	आद्य	8	8.00	--	स्वास्थ्य/संतान
कुल :			36	24.50		

गणदोष प्रभावहीन है क्योंकि दोनों के राशि स्वामियों मे मित्रता है।

।दानेी का वर्ग गरूड़ है तथा Nidhi का वर्ग मेष है। इन दोनों वर्गो में परस्पर सम है।

अष्टकूट मिलान के अनुसार ।दानेी और Nidhi का मिलान अत्युत्तम है।

मंगलीक दोष मिलान

।दानेी मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है।

Nidhi मंगलीक है क्योंकि मंगल लग्न कुण्डली में अष्टम् भाव में स्थित है।

यामित्रे च यदा सौरि लग्ने वा हिबुकेऽथवा।
अष्टमे द्वादशे वापि भौमदोषविनाशकृत्।।

शनि यदि एक की कुंडली में 1,4,7,8,12 वें भावों में हो और दूसरे के मंगल इन्हीं भावों में हों तो मंगल दौष नहीं लगता।

क्योंकि शनि Nidhi कि कुण्डली में प्रथम भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

त्रिषट् एकादशे राहू त्रिषट् एकादशे शनिः।
त्रिषट् एकादशे भौमः सर्वदोषविनाशकृत्।।

वर या कन्या की कुंडली में से एक मंगलीक हो और दूसरे की कुंडली में 3,6,11 वें भावों में राहु, मंगल या शनि हो तो मंगलीक दोष समाप्त हो जाता है।

क्योंकि राहु ।दानेी कि कुण्डली में षष्ठ भाव में स्थित है अतः मंगलीक दोष कट जाता है।

दानेी तथा Nidhi में मंगलीक मिलान ठीक है।

निष्कर्ष

अष्टकूट एवं मंगलीक दोष न होने के कारण दोनों का मिलान उत्तम हैं।